विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ , लखीसराय
वर्ग - प्रथम दिनांक :- 27/11/2020
विषय - सह - शैक्षणिक गतिविधि
एनसीईआरटी पर आधारित (कहानी)
मुखिया की सलाह

मछुआरे ने तुरंत जाल खींचा। जाल में मछली नहीं, बल्कि पत्थर और कूड़ा-करकट फँसा था।

यह देखकर मछुआरे निराश हो गए। उन्हें निराश देखकर उनका मुखिया बोला, "इस तरह निराश मत हो।

थोडा हिम्मत व धैर्य रखो। देखना, हम लोग मछली पकड़ने में जरूर सफल होंगे। तुम लोग जाल को भारी जानकर अति उत्साहित हो गए थे।

हमें हमेशा सफलता की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। लेकिन जब तक सफलता न मिल जाए, तब तक प्रयास करते रहना चाहिए।"

मुखिया की बातें सुनकर मछुआरों की हिम्मत बंधी और वे फिर से जाल फेंकने के लिए तैयार हो गए।

शिक्षा : हमें असफलता से निराश नहीं होना चाहिए।

****

ज्योति